A

**CCE RF/RR/
PF/PR**

ಕರ್ನಾಟಕ ಶಾಲಾ ಪರೀಕ್ಷೆ ಮತ್ತು ಮೌಲ್ಯನಿರ್ಣಯ ಮಂಡಲಿ,

ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

KARNATAKA SCHOOL EXAMINATION AND ASSESSMENT BOARD,
MALLESHWARAM, BENGALURU – 560 003

ಮಾರ್ಚ್/ಏಪ್ರಿಲ್ 2025 ರ ಪರೀಕ್ಷೆ - 1

MARCH/APRIL 2025 EXAMINATION - 1

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H** Code No. : **06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — **ಹಿಂದಿ**

Subject : First Language — HINDI

(ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಶಾಲಾ ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಖಾಸಗಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / ಖಾಸಗಿ ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ)

(Regular Fresh / Regular Repeater / Private Fresh / Private Repeater)

ದಿನಾಂಕ : 21. 03. 2025] **[ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : 100**

Date : 21. 03. 2025] **[Max. Marks : 100**

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
I.	**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर ।**	**6 × 1 = 6**
1.	'प्राचीन' शब्द का विलोम रूप है – (A) प्रचीर (B) नवीन (C) पुरातन (D) प्रचार **उत्तर :** (B) नवीन	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर				अंक
2.	'कोशिश' शब्द का अन्य वचन रूप है –				
	(A)	कोशिशें	(B)	किशन	
	(C)	कोशिश	(D)	कष्ट	
	उत्तर : (A)	कोशिशें			1
3.	'पकड़ना' शब्द का द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रूप है –				
	(A)	पकड़	(B)	पढ़ाई	
	(C)	पकड़वाना	(D)	पकड़ाना	
	उत्तर : (C)	पकड़वाना			1
4.	निम्नलिखित में से स्त्रीलिंग शब्द है –				
	(A)	पंडिताइन	(B)	आदमी	
	(C)	शिष्य	(D)	अध्यापक	
	उत्तर : (A)	पंडिताइन			1
5.	निम्नलिखित में से 'आँख' शब्द का पर्यायवाची शब्द है –				
	(A)	खग	(B)	पंख	
	(C)	गायन	(D)	नयन	
	उत्तर : (D)	नयन			1
6.	निम्नलिखित में से यण् संधि का उदाहरण है –				
	(A)	देवालय	(B)	रमेश	
	(C)	मन्वंतर	(D)	एकैक	
	उत्तर : (C)	मन्वंतर			1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
II.	**अनुरूपता के उत्तर ।**	**4 × 1 = 4**
7.	कमर कसना : तैयार रहना :: हाथ बँटाना : .... ।	
	उत्तर : सहायता करना	1
8.	त्रिभाषा : द्विगु समास :: दिन–रात : .... ।	
	उत्तर : द्वंद्व समास	1
9.	तुम खाओ : आज्ञावाचक :: मैं खाना नहीं खाऊँगा : .... ।	
	उत्तर : निषेधवाचक वाक्य	1
10.	जो अभिनय करती है : अभिनेत्री :: जो उपन्यास लिखता है : .... ।	
	उत्तर : उपन्यासकार	1
III.	**एक–एक पूर्ण वाक्य में उत्तर ।**	**7 × 1 = 7**
11.	किसकी चप्पल की कील उखड़ी हुई थी ?	
	उत्तर : रवीन्द्रनाथ ठाकुरजी की चप्पल की कील उखड़ी हुई थी ।	1
12.	लोकगीतों का मुख्य विषय क्या होता है ?	
	उत्तर : लोकगीतों का मुख्य विषय रोज़मर्रा के जीवन का होता है ।	1
13.	गाँधीजी को दक्षिण अफ्रिका क्यों जाना पड़ा ?	
	उत्तर : अब्दुल्ला एण्ड कम्पनी की पैरवी के लिए गाँधीजी को दक्षिण अफ्रिका जाना पड़ा ।	1
14.	लेखक नगेन्द्र भट्टाचार्य जी के मन में बार–बार कैसे विचार आते हैं ?	
	उत्तर : लेखक नगेन्द्र जी के मन में बार–बार यह बात आती है कि इस तरह वन–भूमि को नष्ट करके हमने क्या पाया ?	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
15.	मज़हब क्या नहीं सिखाता ? **उत्तर :** मज़हब आपस में बैर रखना नहीं सिखाता ।	1
16.	वृंद ने 'आँख' और 'आईना' की तुलना क्यों की है ? **उत्तर :** कवि कहते हैं – व्यक्ति की आँखें देखने पर हृदय की सब भावानाएँ स्पष्ट लक्षित होती हैं ।	1
17.	'मन चंगा तो कठौती में गंगा' कहावत का क्या अर्थ है ? **उत्तर :** परमात्मा सर्वव्यापी है, यदि मन शुद्ध है तो भगवान के दर्शन कहीं भी हो सकता है ।	1
IV.	**दो–तीन वाक्यों में उत्तर ।**	**10 × 2 = 20**
18.	एशिया के एक प्रसिद्ध जीवनशास्त्री जिंदगी के बारे में क्या कहते हैं ? **उत्तर :** जिंदगी संघर्ष से भरी हुई है । एक के बाद एक खींचतान लगी ही रहती है और चैन नहीं मिल पाता । इसलिए उन क्षणों की बहुत कीमत है जो जीवन को गुदगुदा दें ।	2
19.	रुपया ठाकुर जी से बड़ा है । कैसे ? बताइए । **उत्तर :** ठाकुर जी बोलते नहीं रुपया बोलता है, रुपया ठाकुर जी से बड़ा है । ठाकुर जी चलते नहीं लेकिन रुपया चलता है, ठाकुर जी से अधिक साख रुपये में है । देवताओं में वह आकर्षण नहीं, ईश्वर में वह तेज़ नहीं, शक्ति नहीं, जो रुपये में है ।	2
20.	नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना क्यों की गयी ? **उत्तर :** दक्षिण अफ्रिका में भारतीयों पर अंग्रेजों का अपमानपूर्ण व्यवहार का उत्तर सामूहिक रूप से देने हेतु नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना शुरू की गई ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
21.	लोकगीतों के भाषा और भाव के बारे में लिखिए । **उत्तर :** लोकगीतों की भाषा के संबंध में कहा जा चुका है कि ये सभी इलाकों की बोलियों में गाये जाते हैं । इसी कारण ये बड़े आह्लादकर और आनंददायक होते हैं । राग तो इन गीतों के आकर्षक होते ही हैं, इनकी समझी जा सकनेवाली भाषा ही इनकी सफलता का कारण है ।	2
22.	हमारा देश स्वर्ग के लिए ईर्ष्या स्थान कैसे बना है ? **उत्तर :** भारत की प्राकृतिक सुषमा मनमोहक है, हिमालय पर्वत से भारत को कई प्रकार के प्रयोजन हैं, यहाँ विविधता में एकता है । कवि भारत का बखान करते हुए कहते हैं कि भारत से स्वर्ग भी ईर्ष्या करे ऐसा प्राकृतिक सौंदर्य यहाँ का है ।	2
23.	बिहारी जपमाला, तिलक आदि को बेकार क्यों समझते हैं ? **उत्तर :** कवि आडंबरपूर्ण भक्ति का खंडन करते हुए कहते हैं कि किसी विशेष जपमाला लेकर स्मरण तथा मस्तक एवं शरीर के अन्य अंगों पर तिलक छापे लगाने से तो कभी काम सिद्ध नहीं हो पाता । भगवान तो सिर्फ अच्छे हृदय में निवास करते हैं ।	2
24.	'मैं अपने भाग्य का निर्माता स्वयं हूँ' इस वाक्य से नेपोलियन की किस मनःस्थिति का परिचय मिलता है ? **उत्तर :** नेपोलियन बचपन से निर्भीक और सत्यवादी था । वह कभी ज्योतिष्य और अंधविश्वासों में विश्वास नहीं रखता था, और अपने बुद्धि बल पर जीवन में आगे बढ़ना चाहता था ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
25.	जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग बताइए । **उत्तर :** जीवन में आलस्य और भाग्यवादिता का दामन छोड़कर कठिन परिश्रम करना ही सफलता प्राप्त करने का मार्ग है ।	2
26.	अफ्रीकावासी बेडेन पावेल को इम्पासी कहकर क्यों पुकारते थे ? **उत्तर :** इम्पासी का अर्थ होता है कभी न सोनेवाला भेड़िया । अफ्रिकी लोगों ने जासूसी कला में पावेल की निपुणता के कारण उन्हें यह नाम दिया था ।	2
27.	'कुछ ख़ास तो नहीं' इस वाक्य को सुनकर हेलेन को क्यों आश्चर्य हुआ ? **उत्तर :** जंगल की सैर करने के बाद भी कुछ लोग कहते हैं कि कुछ ख़ास नहीं देखा तब हेलेन को आश्चर्य होता है । क्योंकि मुझे कुछ दिखता नहीं है फिर भी उन पेड़, पत्ते, फूलों के स्पर्श से ही प्रकृति के जादू का एहसास होता है । लेकिन यह कह रहे हैं कि कुछ ख़ास नहीं ।	2
V.	**लेखक / कवि का परिचय ।**	**2 × 3 = 6**
28.	जैनेन्द्र । **उत्तर :** i) जन्म काल : जैनेन्द्र जी का जन्म 2 जनवरी सन् 1905 ई० को अलीगढ़ के कौडियागंज गाँव में हुआ । ii) कृतियाँ : परख, सुनीता, त्यागपत्र, कल्याणी, सुखदा, व्यतीत, जड़ की बात, पूर्वोदय । इनके अलावा अनेक पुस्तकों का अनुवाद भी किया है । iii) अन्य जानकारियाँ : जैनेन्द्र जी के बचपन का नाम आनंदीलाल था । हस्तिनापुर के एक गुरुकुल में आपकी प्रारंभक शिक्षा दीक्षा हुई । 24 दिसम्बर, 1988 ई० को आपकी मृत्यु हुई ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
29.	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना । **उत्तर :** i) जन्म काल : आपका जन्म 15 सितम्बर, 1927 ई० को उत्तर प्रदेश के बस्ती शहर के छोर पर बसे 'पिकौरा' नामक गाँव में हुआ । ii) कृतियाँ : काठ की घंटियाँ, 'खूँटियों पर टंगे लोग', 'सोया हुआ जल', बकरी, 'अंधेरे पर अंधेरा' आदि उल्लेखनीय रचनाएँ हैं । iii) अन्य जानकारियाँ : आपके माता-पिता का नाम श्री विश्वेश्वरदयाल सक्सेना और श्रीमती सौभाग्यवती सक्सेना था । इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम० ए० पास करने के बाद कुछ समय आकाशवाणी में कार्यरत रहे । आप 'दिनमान' और 'पराग' पत्रिकाओं के संपादक भी रहे । आपके खूँटियों पर टंगे लोग पुस्तक के लिए 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है ।	3
VI.	**छन्द पहचानिए ।**	**1 × 3 = 3**
30.	क्षण में होय कमाल, गुस्सा ऐसा कीजिए । होय टमाटर लाल, जामुन-सा मुखड़ा तुरत ।। **उत्तर :** | | ऽ ऽ | | | ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ क्षण में होय कमाल, गुस्सा ऐसा कीजिए । 11 13 ऽ | | ऽ | | ऽ | ऽ | | ऽ | | ऽ | | | होय टमाटर लाल, जामुन-सा मुखड़ा तुरत ।। 11 13 (i) यह सोरठा छंद है । (ii) यह एक अर्धसम मात्रिक छन्द है । (iii) यह छंद दोहा छंद का ठीक उल्टा छंद है । (iv) इसके पहले और तीसरे चरण में 11-11 मात्राएँ होती हैं और दूसरे और चौथे चरण में 13-13 मात्राएँ होती हैं ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VII.	**अलंकार पहचानिए ।**	**1 × 3 = 3**
31.	कनक-कनक तें सौ गुनी, मादकता अधिकाय ।	
	उत्तर :	
	✶ यह यमक अलंकार है ।	
	✶ यहाँ कनक शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है । लेकिन भिन्न-भिन्न अर्थों में धतूरा और सोने के अर्थ में ।	3
	✶ जिस रचना में कोई एक शब्द दो बार प्रयोग होकर भिन्न-भिन्न अर्थ निकले तो उसे यमक अलंकार कहते हैं।	
VIII.	**संदर्भ के साथ व्याख्या ।**	**4 × 3 = 12**
32.	''इस भेद को मेरे सिवाय मेरा ईश्वर ही जानता है ।''	
	उत्तर :	
	पाठ का नाम : 'अकबरी लोटा'	
	लेखक का नाम : अन्नपूर्णानंद वर्मा	
	संदर्भ व व्याख्या : लाला झाऊलाल बहुत खुश थे । लेकिन उनके मन में एक प्रश्न था और उन्होंने बिलवासी जी से पूछा कि आपके पास तो पैसे थे नहीं .... लेकिन अचानक कैसे आप लाये । तब बिलावासी जी उपर्युक्त वाक्य कहते हैं ।	
	विशेषता : यहाँ बिलवासी जी और झाऊलाल की गहरी मित्रता का चित्रण दिखाई देता है ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
33.	''बाँधा है सरकार यह देखिए ।'' **उत्तर :** पाठ का नाम : 'सदाचार का तावीज़' लेखक का नाम : हरिशंकर परसाई संदर्भ व व्याख्या : जब राजा इकत्तीस तारीख को जाकर सरकारी कर्मचारी को घूस देन लगे (अपने काम के लिए) तब वह कर्मचारी चुपचाप पैसे ले लेता है, गुस्से से राजा पूछते हैं कि क्या तुमने आज तावीज़ नहीं बाँधा है ? तब सरकारी कर्मचारी उपर्युक्त वाक्य कहता है । विशेषता : यहाँ सर्वव्यापी भ्रष्टाचार पर व्यंग्य किया गया है ।	3
34.	''यह तो पूरे देश की पुकार है ... इस पर कोई कैसे रोक लगा सकता है भला ?'' **उत्तर :** पाठ का नाम : 'एक कहानी यह भी' लेखिका का नाम : श्रीमती मन्नू भण्डारी संदर्भ व व्याख्या : प्रिंसिपल के पत्र से क्रोधित होकर पिताजी कालेज़ तो गये थे लेकिन वहाँ मन्नू की देश-भक्ति कार्य से खुश थे और गर्व से उपर्युक्त वाक्य कहते हैं । उनका सर गर्व से ऊपर उठता है । विशेषता : यहाँ मन्नू और पिताजी दोनों अपना देशाभिमान दर्शाते हैं ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
35.	''आओ, हिय में भरें उमंगें, आओ नव निर्माण करें ।'' **उत्तर :** पद्य का नाम : आओ नव निर्माण करें कवि का नाम : बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' संदर्भ व व्याख्या : कवि बालकृष्ण नवीन पाठकों से यह कहते हैं कि मैं वर्तमान की दुनिया से असंतुष्ट हूँ, आज के सड़े-गले समाज को देख बेचैन हूँ, लेकिन बहुत निराश भी नहीं हूँ क्योंकि मेरी उत्कट इच्छा है कि फिर से नये देश का निर्माण करेंगे । इस तरह कहते हुए कवि उपर्युक्त बात कहते हैं । विशेषता : एक नये समाज के निर्माण को आमंत्रण दे रहे हैं ।	3
IX.	**चार-पाँच वाक्यों में उत्तर ।**	**3 × 3 = 9**
36.	नगेन्द्र ने ग्राम्य जीवन का वर्णन कैसे किया है ? **उत्तर :** रेलवे लाइन के दोनों ओर मैदान, वन तथा ग्राम फैले थे । गाँवों में लकड़ी के छोटे-छोटे घर, चारों ओर फल सब्जियों के बाग । घरों के पास गाय, घोड़े, मुर्गी आदि घूम रहे थे । सिर पर सफ़ेद कपड़ा बाँधे और गाउन पहने स्वस्थ रूसी युवतियाँ घर के कामकाज करती दिखाई दे रही थीं । ट्रेन को देखकर वे भी हमारे देश के गाँवों की लड़कियों की तरह रुक कर खड़ी हो जातीं ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
37.	कुत्ते के बारे में लिखी हुई कविता पढ़कर निबंधकार ने क्या अनुभव किया ? **उत्तर :** कुत्ते के बारे में लिखी कविता पढ़कर निबंधकार यह कहते हैं कि मैं जब यह कविता पढ़ता हूँ तब मेरे सामने श्रीनिकेतन के तितल्ले पर की वह घटना प्रत्यक्ष सी हो जाती है । वह आँख मूँदकर अपरिसीमित आनंद, वह मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन मूर्तिमान हो जाता है । इस वाक्यहीन प्राणिलोक में सिर्फ यही एक जीव अच्छा-बुरा सबको भेदकर संपूर्ण मनुष्य को देख सका है, उस आनंद को देख सका है, जिसे प्राण दिया जा सकता है, जिसमें अहैतुक प्रेम ढाल दिया जा सकता है, जिसकी चेतना असीम चैतन्य लोक में राह दिखा सकती है ।	3
38.	सपने में अनदेखे अरूप ने कवि से क्या माँगा ? बताइए । **उत्तर :** कवि सबसे सब कुछ लेकर बहुत खुश था । मिठास, हरियाली, ओस, खुलापन, उजाला, लहरील प्रवाह, गरमाई को पाकर झूमते मदहोश सो रहा था तो उस अंधेरे में अनदेखा अरूप ने कवि के सपने में दस्तक देखकर पूछा कि हे मानव ! जो कुछ तुम चाहते थे वह सब कुछ मैंने खुशी-खुशी तुम्हें दिया है । अब उसके बदले मुझे थोड़ा प्यार उधार दो जिसको मैं सौगुना सूद के साथ सौ-सौ बार लौटाऊँगा । लेकिन उस याचक को पता नहीं है यह सिर्फ लेना जानता है देना नहीं ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
X.	**पद्यांश की पूर्ति ।**	**1 × 4 = 4**
39.	जग में सुख	
	....	
	....	
	.... को गले लगाना ।	
	अथवा	
	पैदा कर	
	....	
	....	
	.... स्वजीवन सारा ।	
	उत्तर : जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है ।	1
	वही जगाता है सद्गुणों को, सद्गुण लाता सुख है ।	1
	बाधा, विघ्न, विपत्ति, कठिनता जहाँ-जहाँ सुन पाना ।	1
	सबके बीच निडर हो जाना दुख को गले लगाना ।	1
	अथवा	
	पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला-पोसा ।	
	किये हुए है वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा ।	
	उससे होना उऋण प्रथम है, सत्कर्तव्य तुम्हारा ।	
	फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XI.	**पद्यांश का भावार्थ :**	**1 × 4 = 4**
40.	भूख लगी तो गाँव में भिक्षान्न हैं, प्यास लगी तो तालाब–कुएँ हैं, शीत से बचने जीर्ण वस्त्र हैं, सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरा आत्म–सखा तू ही है ।	
	अथवा	
	अज्ञानियों से स्नेह करना मानो पत्थर से चिनगारी निकालना है । ज्ञानियों का संग करना, मानो दही मथकर माखन पाना है । हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, तुम्हारे भक्तों का संग करना मानो कर्पूरगिरि की ज्योति को पाना है ।	
	उत्तर :	
	कविता का नाम : अक्कमहादेवी के वचन कवयित्री का नाम : अक्कमहादेवी अनुवादिका का नाम : डॉ० नंदिनी गुंडूराव	4
	भावार्थ : अक्कमहादेवी इस वचन में स्वयं को धन्य मानती हुई कहती हैं कि प्रभु, आपके सामने कोई भी गरीब नहीं है । इसकी पुष्टि में वे कहती हैं कि यदि भूख लगी तो गाँव में अन्न देनेवाले हैं । प्यास लगती है तो पानी की कमी नहीं है क्योंकि	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	इधर–उधर तालाब–कुएँ हैं । तुम्हारी कृपा से ठण्ड से बचने के लिए फटे वस्त्र मिले हैं । सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं । हे प्रभु ! तुम्हारा संग ही मेरे जीवन का सौभाग्य है । आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है । तू ही मेरा प्रिय आत्म–सखा है ।	
	अथवा	
	भावार्थ : अक्कमहादेवी अपने वचन में बुराइयों में भी अच्छाई पाने का आशय व्यक्त करते हुए कहती हैं कि अज्ञानियों से स्नेह करने से स्वयं की वृद्धि होती है । क्योंकि उन्हें सुधारते–सुधारते स्वयं बहुत कुछ सीख जाते हैं । यहाँ पत्थर अर्थात् अज्ञानी, चिनगारी अर्थात् उसे सशक्त बनाना । ज्ञानियों के संग करने से हम सुलभ रूप से ज्ञानी बन जाएँगे । जैसे दही के मथने से माखन निकल आता है । अक्कमहादेवी अपने प्रभु की प्रशंसा करते हुए कहती हैं – तुम्हारे भक्तों का संग करना कर्पूरगिरि की ज्योति को पाने के समान है ।	
XII.	**आठ–दस वाक्यों में उत्तर ।**	**2 × 4 = 8**
41.	कर्नाटक एकीकरण के बारे में अपने विचारों के प्रचार के लिए वेंकटराव जी ने क्या–क्या किया ? स्पष्ट कीजिए ।	
	अथवा	
	कर्नाटक विद्यावर्धक संघ की प्रगति में वेंकटराव जी के योगदान के बारे में लिखिए ।	
	उत्तर :	
	कर्नाटक एकीकरण के बारे में अपने विचारों के प्रचार के लिए वेंकटराव जी ने लेखनी हाथ में ली । कर्नाटक पत्र, कर्नाटक वृत्त, कन्नड केसरी आदि पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित कराने लगे । वेंकटराव जी को ऐसा लगा कि केवल गंथाध्ययन से काम नहीं चलेगा । इसके लिए शिलालेख, ताम्रपट और	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	वीरगल्लु, मास्तिकल्लु, प्राचीन सिक्के, प्राचीन इमारतें आदि का अध्ययन जरूरी है । कर्नाटक के गतवैभव का शोध करते-करते वेंकटराव ने कर्नाटक के कोने कोने का भ्रमण किया । हज़ारों रुपये खर्च किये, पर बदले में उनको दस गुना आत्मविश्वास मिला जिससे वे संतुष्ट थे । वेंकटराव जी के अनुसार जनता में भारतीय राष्ट्रीयता उत्पन्न करने के लिए प्रादेशिक राष्ट्रीयता जरूरी है । विद्यारण्य ही कर्नाटकत्व के मूल प्रेरक शक्ति है । उनके उद्देश्यानुसार कर्नाटक के गत वैभव के स्मरण से छात्रों में चेतना जाग उठी । उन्होंने 'कर्नाटक गत वैभव' नामक पुस्तक प्रकाशित की जो कर्नाटकियों के हृदय में चिरस्थायी बनकर रहनेवाली रचना है ।	4
	अथवा	
	कन्नड भाषा की अभिवृद्धि तथा कर्नाटक के हित की रक्षा के लिए 1890 में स्थापित कर्नाटक विद्यावर्धक संघ ने उत्तर कर्नाटक में काफी जागृति उत्पन्न की थी । संघ की प्रगति के लिए वेंकटराव जी ने कन्नड अध्यापकों से संपर्क बढ़ाया । संघ के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जिसके परिणामस्वरूप धीरे-धीरे संघ में प्राणों का संचार होने लगा । वेंकटराव जी के मन में विचार उठने लगे कि, जो कर्नाटक छोटे बड़े रियासतों में मैसूरु, हैदराबाद, मद्रास, बंबई, कूर्ग के प्रदेशों में बँट गया है । उनका एकीकरण होना चाहिए । इस एकीकरण के अभाव से ही और प्रांतों के मुकाबले कर्नाटक पीछे पड़ा है । कर्नाटक विद्यावर्धक संघ की मुख्य पत्रिका थी 'वाग्भूषण' । उस पत्रिका में वेंकटराव जी ने लिखा – जरासंध की देह के टुकड़ों में जैसे सम्मिलित की शक्ति थी वैसे हमारी कन्नड भाषी निर्जीव प्रदेशों में अपने आप सम्मिलित होने की शक्ति नहीं है ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
42.	सेठ गोविन्द दास जी की राय में सच्चा धर्म क्या है ? स्पष्ट कीजिए । **अथवा** पुरुषोत्तम को विनायक के साथ क्यों भोजन करना पड़ा ? स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** सेठ गोविंद दास जी ने धर्म की समस्या को उठाया है । सामान्य रूप से हम लोग धर्म का जो अर्थ समझते हैं, वह सेठ जी की दृष्टि से सही नहीं है । धर्म का खान-पान या छुआछूत से विशेष संबंध नहीं है । सेठजी ने दिखाया है कि सच्चा धर्म वही है जिससे समाज के अधिक से अधिक व्यक्तियों का भला हो । धर्म किसी निश्चित नियमों में बंधकर नहीं रह सकता । समय के साथ-साथ धर्म का स्वरूप भी बदलता जाता है । कभी कभी असत्य से भी धर्म की रक्षा होती है । मनुष्यत्व सभी धर्मों से बड़ा है । लेखक की दृष्टि में सच्चा धर्म वही है जो समाज में मनुष्यत्व की स्थापना करता हो । **अथवा** औरंगजेब ने जब दिल्ली पर हमला बोलकर दिल्ली जीत गया था तब शिवाजी ने पुत्र को मिठाई की टोकरी में छिपाकर दिल्ली से भागते समय पुरुषोत्तम को दे गया था । लेकिन अब जब औरंगज़ेब की खूफिया ज़मात के सरदार पूछे कि वह लड़का कौन है । अब तक हमने उसे आपके घर मैं नहीं देखा है तब पुरुषोत्तम बोलते हैं कि यह मेरा भानजा विनायक है तब रेहमानबेग और दिलावर खाँ अनुमान से कहते हैं कि अगर आप उस लड़के के साथ एक ही थाली में खाना खाएँगे तो हम मानेंगे कि वह आपका भानजा है वरना आपको उस झूठ पर पछतावा होगा । तब जाकर बहुत प्रयास से अपना इज्ज़त, गौरव को दाँव पर रखकर विनायक के साथ भोजन किया और एक अब्राह्मण के साथ भोजन करके अपना सच्चा धर्म निभाया ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XIII.	**अपठित गद्यांश के उत्तर ।**	**1 × 4 = 4 (2 + 2)**
43.	जून का महीना था । सूर्य अपनी पूरी शक्ति से धरती को तपाने में तल्लीन था । लू के गरम थपेड़ों और तपती दोपहरी ने वातावरण को और भी असहाय बना दिया था । सब अपने-अपने घरों में दुबके पड़े थे । पंखे, कूलर किसी से भी कुछ राहत नहीं । पानी पी-पीकर सबके पेट फूल रहे थे । ऐसा लगता था जैसे यह गरमी क्या है, परेशानी है । अचानक बादलों की गड़गड़ाहट । काले-काले बादल छा गए । धूल-भरी आँधी और उसके साथ वर्षा की तेज बौछारें । चारों तरफ़ खुशी का माहौल छा गया । अच्छी वर्षा हमारे खेतों और बागों को हरा-भरा करती है । गरमी से झुलसते प्राणियों में जान फूँकती है । प्राकृतिक सुषमा सबको मोहित कर गुदगुदाती है ।	
	a) गरमी ने लोगों को कैसे परेशान किया ?	
	b) बारिश के आगमन का वर्णन कैसे किया गया है ?	
	उत्तर :	
	a) धूप के गरम वातावरण ने सबको असहाय बना दिया था । पंखे, कूलर आदि भी कोई काम नहीं कर रहे थे । सबका पेट पानी पी-पी कर फूल गया था । जैसे यह गरमी क्या है, ... परेशानी है ।	2
	b) बारिश के आने से चारों तरफ खुशी का माहौल छा गया था । खेतों और बागों को हरा-भरा करके सबमें प्राण फूँक दिया और प्राकृतिक सुषमा ने सबका मन मोह लिया ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर		अंक
XIV.	**पत्र लेखन ।**		**1 × 5 = 5**
44.	आपका मित्र सुदर्शन/समा परीक्षा में असफल हो गया/गयी है । अतः उसे प्रोत्साहित करते हुए पत्र लिखिए ।		
	अथवा		
	अपने भाई की शादी में शामिल होने के लिए 3 दिनों की छुट्टी माँगते हुए प्रधानाध्यापक को पत्र लिखिए ।		
	उत्तर :		
	पारिवारिक पत्र :		
	i) स्थान एवं दिनांक :	$\frac{1}{2}$	
	ii) सम्बोधन-अभिवादन :	1	
	iii) पत्र का कलेवर :	$2\frac{1}{2}$	
	iv) समाप्ति :	$\frac{1}{2}$	
	v) पत्र पानेवाले का पता :	$\frac{1}{2}$	5
	अथवा		
	व्यावहारिक पत्र :		
	i) स्थान एवं दिनांक :	$\frac{1}{2}$	
	ii) प्रेषक/सेवा में :	$\frac{1}{2}$	
	iii) सम्बोधन – विषय :	1	
	iv) पत्र का कलेवर :	$2\frac{1}{2}$	5
	v) समाप्ति :	$\frac{1}{2}$	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XV.	**निबंध लेखन ।**	**1 × 5 = 5**
45.	किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए :	
	i) मेरे सपनों का भारत ।	
	ii) हमारे राष्ट्रीय पर्व ।	
	उत्तर :	
	(i) भूमिका 1	
	(ii) विषय विश्लेषण 2	
	(iii) उपसंहार 1	
	(iv) भाषा और शैली । 1	